ये अव्यक्त इशारे

संस्कार मिलन की रास करो

26-04-2024

संस्कार तो भिन्न-भिन्न होते ही हैं और होंगे भी लेकिन संस्कारों को टकराना या किनारा करके स्वयं को सेफ रखना, यह अपने ऊपर है। कुछ भी हो जाता है तो अगर कोई का संस्कार ऐसा है तो दूसरा ताली नहीं बजावे। चाहे वह बदलते हैं या नहीं बदलते हैं लेकिन आप तो बदल सकते हो ना। अगर हरेक अपने को चेन्ज करे, समाने की शक्ति धारण करे तो दूसरे का संस्कार भी अवश्य शीतल हो जायेगा।

Perform the dance of harmonising sanskars.

Sanskars are all different anyway, and they will be different, but to have conflict in your sanskars or to step away and keep yourself safe depends on you. No matter what happens, if someone's sanskars are like that, let others not clap. Whether that person changes or not, you can change yourself. If each one changes themselves and inculcates the power to accommodate, then definitely the sanskars of others will also become cool and gentle.